नारी शक्ति

महिला प्रभाग की समाचार पत्रिका

For Private Circulation Only

अंक – 57 — जनवरी, 2020

नये वर्ष की शुभकामनाएँ
आप सबको नए वर्ष व नए युग की
हार्दिक बधाईयाँ

नए साल की यह सुहानी वेला है। इस शुभ अवसर पर हम सब अपने जीवन की एक नई शुरुआत करेंगे। हम सबकी आशाएँ व स्वप्न साकार हों, यही हमारी शुभ इच्छा है। यही वह आदर्श समय है, जब हम अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते है। हमारी अन्तरात्मा में अविनाशी दिव्य गुणों का खजाना भरा है, जहाँ से हमें असीम शान्ति मिल सकती है। इस गुह्य रहस्य को पहचान, अतीत से शिक्षा लेते हुए, हम अपना भविष्य सुनहरा बना सकते हैं। सर्व गुणों के खज़ानों की चाबी आपको मिल जाए, इस शुभ कामना के साथ आप सबको परिवार सहित नए वर्ष की मुबारक हो।

शान्तिवन - आबू रोड के शान्तिवन परिसर में महिला सशक्तिकरण द्वारा सामाजिक परिवर्तन विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द, राजस्थान के माननीय गवर्नर श्री कलराज मिश्र, राजयोगिनी ब्र.कु. दादी जानकी - मुख्य प्रशासिका ब्रह्माकुमारीज़ बी.के. भ्राता निर्वैर - शांतिवन, बी.के. भ्राता बृजमोहन - दिल्ली, कैबिनेट मंत्री बी.डी. कल्ला एवं अन्य ।

आधुनिकता एवं आध्यात्मिकता वार्ता

प्रश्न - आधुनिकता को कैसे स्पष्ट करेंगे ? आधुनिकता वास्तविक रूप से है क्या ?

उत्तर - आधुनिकता का अगर हम अर्थ जाने तो हम कहेंगे आज का युग विज्ञान का युग है। जिस प्रकार आज विज्ञान है वैसे 100 साल पहले नहीं था और आज हम उस विज्ञान के युग में जी रहे हैं, विज्ञान के युग में पल रहे हैं। बुद्धि का बहुत विकास हो चुका है। हम चांद तक भी पहुंच गए हैं। आधुनिकता अर्थात विज्ञान का युग। आज हम देखें कि किस प्रकार यह सारा विश्व एक ग्लोबल विलेज (village) बन गया है। जो भी हम अविष्कार आज दुनिया में देख रहे हैं। उसके आधार से यह कितना सुंदर छोटा सा संसार बन गया है। पश्चिमी दुनिया में कुछ भी होता है, हम पूर्वी दुनिया में उसको अनुभव कर सकते हैं। पूर्वी दुनिया में कुछ भी होता है, तो पश्चिमी दुनिया में उसका अनुभव होता है। इस प्रकार से आधुनिक दुनिया है और उस आधुनिक दुनिया में विकास भी बहुत है लेकिन यह बाहर के विकास को ही आधुनिकता कहा गया है। लेकिन हमें खेद से कहना पड़ता है कि इस बाहर के विकास के नाम पर हमें जो आंतरिक विकास चाहिए उसको हम खो रहे हैं इसलिए केवल बाहर के विकास की ओर जाना क्या यही आधुनिकता है ?

प्रश्न - बाहरी विकास और आन्तरिक विकास का क्या अर्थ है और इनमें क्या अन्तर है ?

उत्तर - बाहरी विकास हम कहेंगे जिसमें नई-नई टेक्नोलॉजी आ रही है। नई-नई चीजों का आविष्कार हो रहा है और काफी चीजें बनी है। उन चीजों का हम लोग उपयोग कर रहे हैं और तेजी से इन चीजों का विकास हो रहा है। इन सब चीजों को यूज करते हुए हम लोग अपने आंतरिक विकास, जो अब आंतरिक शक्ति है उसे हम कम कर रहे है क्योंकि हम मार्डन चीजों के पीछे भाग रहे हैं लेकिन हम अपने मन की शांति या फिर हम अपने मन पर कंट्रोल नहीं कर पा रहे हैं। जैसे कि एक मोबाइल है। मोबाइल बना है बाहरी विकास के लिए उससे हम बहुत सारे काम कर सकते है लेकिन, वही है कि लोग उसका गलत यूज भी कर रहे है। उसको मिस यूज कर रहे हैं। दिन भर मोबाइल पर लगे रहना वह भी हमारे स्वास्थ्य के लिए कितना हानिकारक है। तो हम देखते हैं कि इन चीजों के फायदे भी हैं तो नुकसान भी हैं लेकिन हम उसको गलत यूज करके अपना आन्तरिक विकास खत्म कर रहे हैं। अपने मन की शक्ति खत्म कर रहे हैं। जो टाइम अपने आपको देना चाहिए वह टाइम नहीं दे पा रहे हैं। अगर शायद इन चीजों का सही यूज करें तो हम अपने आप को जानने, अपने साथ बैठने, कुछ योग मेडिटेशन के लिए या हम अपने घर परिवार को समय दे सकें । तब हमारे पास काफी समय बच जाएगा। घर में परिवार में जितने भी सदस्य हैं, सभी के पास उतने ही मोबाइल है। हर सदस्य के पास अपना अपना मोबाइल है। इसी तरह गाडियां भी सभी के

गुरूग्राम (ओ.आर.सी.) - ब्रह्माकुमारीज़ के भोड़ाकलां स्थित ओ.आर.सी. में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुए दिल्ली के उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, इंसेक्टिसाइड इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष हरिचंद अग्रवाल, बी.के.आशा - ORC, बी.के.बृजमोहन - दिल्ली, डॉ.सविता - शांतिवन एवं अन्य।

जबलपुर (म.प्र.) - जबलपुर के कटंगा कॉलोनी स्थित सेवाकेन्द्र द्वारा - "स्वस्थ एवं सुखी समाज के निर्माण में महिलाओं का योगदान" विषय पर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए बी.के. डॉ. सविता – मुख्यालय संयोजिका, महिला प्रभाग,भारत रत्न बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर टेलीफोन ट्रेनिंग सेंटर की महाप्रबंधक निधि माथुर, समाजसेविका मोना भनोत , भारतीय सिन्धु सभा महिला शाखा की अध्यक्षा मनीषा रोहाणी सहित उपस्थित नगर के महिला संगठनो की प्रतिनिधि महिलायें ।

जबलपुर (म.प्र.) - AWWA - Army Women Welfare Association के द्वारा आयोजित भारतीय सेना के ऑफिसर्स एवं जवानों के परिवार की महिलाओं के लिए आयोजित कार्यक्रम, विषय - "स्वप्रबंधन" में दीप प्रज्वलित करते हुए बी.के. डॉ. सविता – मुख्यालय संयोजिका, महिला प्रभाग ।

पास अलग अलग हैं। तो यह कहां तक उचित है। जहां पर पहले लेंड लाइन फोन होते थे। उससे सब अपना काम चला लेते थे और उसके पास में उतना ही आते थे जितना हमको यूज करना है। लेकिन पूरा ही दिन मोबाइल पर लगे रहना, इसी तरह जितनी भी सब चीजें बन रही है। उनका दुरुपयोग हो रहा है और इसमें हम अपने आप को खोते जा रहे हैं। जब हमारे देश में टेलीविजन आया तो यह उदाहरण दिया गया कि अगर टेलीविजन घर में होगा तो सारा परिवार एक साथ बैठकर टेलीविजन देखेगा। तो जो लोग कभी बात नहीं करते हैं उसी बहाने एक साथ बात करेंगे और उसका नतीजा क्या हुआ कि जब टेलीविजन आया तो उसने घर को इकट्ठा करने की बजाय बांट दिया है। क्योंकि कोई को कोई सीरियल देखना है तो कोई को कोई, तो हर किसी ने अपने अपने रूम में टेलीविजन लगा दिया। जो कभी एक साथ बैठकर खाना खाते थे। वह भी खत्म हो गया।

मॉर्डनिटी के बारे में लोग सोचते हैं, पुराने विचार अब उपयोगी नहीं है अभी जो हम कर रहे हैं वही सही है। चाहे वह खाने में हो, चाहे वह कपड़ों में हो ,चाहे वह बात करने के तरीके में हो, चाहे वह जीवन के चलने की विधि हो। मार्डन कल्चर 3D कल्चर है। 3D कल्चर माना ड्रिंकिंग, डांसिंग और ड्रग्स लेना । 3D कल्चर अगर आप यह सब नहीं ले रहे हो तो आप पिछड़े हो। इसी कारण पुराने जमाने का व्यवहार अलग था, कल्चर अलग था जबकि आज हमारे पास अनेक आधुनिक चीजें होने के कारण, हमारा कल्चर पहले से बेहतर होना चाहिए था। लेकिन वह उन्नति दिखाई नहीं दे रही है। केवल बदलाव दिखाई दे रहा है। हाँ, होना चाहिए 3D कल्चर, जिसमें डिसिप्लिन, ड्यूटी कॉन्शियस और डेवलपमेंट जरूरी है। 3D कॉन्शियस हो लेकिन जो हम डिसीप्लिन को भूल गए, मन चाहे चल रहे हैं। इस कारण मॉर्डनिटी का एक अलग ही स्वरूप हमारे सामने है। अगर किसी से कपड़ों के बारे में कहा जाए कि आप कपड़ों को इस इस तरह से पहनें तो उनको लगता है कि हमारी स्वतंत्रता का हरण हो रहा है। यह जो सोच है कि विकास होना जरूरी है,लेकिन विकास के साथ आंतरिक विकास को अपनाने में हम हिचकिचाते है । मैं एक ही उदाहरण के साथ समाप्त करना चाहूंगी कि पुरुष पीता है। तो उनको ड्रिंक हैबिट्स छुड़ाना के लिए पुराने जमाने में सारी फैमिली लगी रहती थी। लेकिन अभी बदलाव आ

शेष पृष्ठ 4 पर

हैदराबाद - शान्ति सरोवर के ग्लोबल पीस ऑडीटोरियम में आयोजित महिला कार्यक्रम में "होप-हैपिनेस-हारमनी" अभियान का शुभारम्भ करते हुए तेलंगाना की राज्यपाल महामहिम बहन डॉ. टी. सुन्दरराजन, ब्र.कु.चक्रधारी दीदी - अध्यक्षा - महिला प्रभाग, ब्र.कु. डॉ. सविता - मुख्यालय संयोजिका - महिला प्रभाग, ब्र.कु. कुलदीप - इंचार्ज, शान्ति सरोवर - हैदराबाद, भ्राता एम जगदेश्वर IAS, प्रिसिंपल सेक्रेटरी, WD&CW विभाग - तेलंगाना, पद्मश्री बहन अरुणिमा सिन्हा, माउंट एवेरेस्ट फतह करने वाली पहली महिला विकलांग पर्वतारोही, बहन ग्रेसी सिंह - IIFA पुरस्कार से सम्मानित, बॉलीवुड अभिनेत्री-मुंबई, बहन रमा देवी - अध्यक्षा - भारतीय महिला उद्यमी संघ, बहन रंजना कुमार - विजिलेंस कमिश्नर, CVC (रिटायर्ड), बहन रानी - गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्डर, पुलर ऑफ ट्रक्स विद हेयर ।

पूना - पूना के होटल क्लार्क्स-इन द्वारा आयोजित महिला कार्यक्रम "FOUR FACES OF WOMAN" में आमंत्रित ब्र.कु. सरिता बहन अपने उद्‌बोधन के बाद गणमान्य महिलाओं के साथ समूह चित्र में ।

वाशी - वाशी में महिला कार्यक्रम “Development of women power and strength for successful social development” में भाग लेने के बाद समूह चित्र में ब्र.कु. शीला, वाशी सेवाकेन्द्र इंचार्ज एवं अन्य गणमान्य महिलायें ।

शिव सागर - असम के शिव सागर सेवाकेन्द्र में आयोजित महिला कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन के साथ शुभारम्भ करते हुए ब्र.कु. चक्रधारी – अध्यक्षा, महिला प्रभाग, बी.के. शारदा – राष्ट्रीय संयोजिका - महिला प्रभाग, ब्र.कु. डॉ. सविता – मुख्यालय संयोजिका - महिला प्रभाग, ब्र.कु. सत्यवती - जोन इंचार्ज - अपर असम, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम, मुख्य अथिति भ्राता जगन मोहन - M.L.A.,महमरा L.A.C , भ्राता देबाशीष सरमाह - C.O 1st A.P.B.N., लिग्रिपुखुरी, नाजीरा, ब्र.कु. रजनी बहन इंचार्ज शिवसागर।

शाजापुर - जिलाप्रशासन शाजापुर के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित जिला स्तरीय पोषण मेला कार्यक्रम के दौरान मंचासीन है कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिप्टी कलेक्टर बहन प्रियंका वर्मा, ब्र.कु. प्रतिभा बहन, ब्र.कु. चंदा बहन,महिला एवं बाल विकास अधिकारी बहन नीलम चौहान, गायत्री परिवार से भ्राता श्रीवास्तव तथा महिला एवं बाल विकास विभाग से बहन नेहा एवं सभा में उपस्थित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं अन्य बहनें।

गुरूग्राम (ओ.आर.सी.) - ब्रह्माकुमारीज़ के भोड़ाकलां स्थित ओ.आर.सी. में आयोजित कार्यक्रम में महिला अभियान का दीप प्रज्ज्वलित कर एवमं हरी झंडी दिखा कर शुभारम्भ करते हुए उड़िसा के महामहिम राज्यपाल भ्राता गणेशी लाल, बी.के. चक्रधारी - दिल्ली, बी.के.आशा-निर्देशिका-ORC, बी.के.बृजमोहन - दिल्ली, ब्र.कु. डा.सविता - शांतिवन, ब्र.कु.बिन्दु सिरसा ।

राष्ट्रीय अभियान - "महिला सशक्तिकरण द्वारा सामाजिक परिवर्तन"

वर्तमान, आधुनिक भारत में महिलाएं प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। महिलायें अब डॉक्टर, इंजीनियर, व्यवसायी, पायलट, टैक्सी चालक और पुलिस अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। पारम्परिक रूप से पुरुष प्रधान माने जाने वाले क्षेत्रों में भी उनकी उपस्थिति है। हालांकि महिलाओं ने हर क्षेत्र में आसमान की ऊंचाइयों को छुआ है, फिर भी उन्हें लगभग हर स्तर पर भेदभाव का सामना करना पड़ता है। देवियों के रूप में पूजे जाने से लेकर अब तक के छेड़छाड़, उत्पीड़न और बढ़ती घरेलू हिंसा के मामले, एसिड अटैक और बलात्कार, जैसी घटनाओं में महिलाओं ने भारतीय समाज में एक लंबा सफर तय किया है। दुनिया भर में महिला सशक्तिकरण पर बृहत् स्तर पर चर्चायें एवं कार्य हुआ है क्योंकि महिलाओं को गरीबी, शिक्षा की कमी, स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सशक्तिकरण का अर्थ है कि किसी भी कठिन परिस्थिति का सामना करने के लिए सकारात्मक आत्मविश्वास प्रदान करने के अलावा उनका आर्थिक रूप से स्वतंत्र, आत्मनिर्भर होना है । आध्यात्मिक सशक्तिकरण अर्थात महिलाओं में छिपी दिव्य शक्ति को जाग्रत करने के साथ, आत्म अनुभूति, परमात्म अनुभूति करना और प्रकृति के साथ संबंध के बारे में सत्य पहचान देना है जो आंतरिक शांति और ख़ुशी प्रदान करती है ।

अखिल भारतीय सशक्तिकरण अभियान का शुभारंभ

ब्रह्माकुमारीज़ का महिला प्रभाग "महिला सशक्तिकरण द्वारा सामाजिक परिवर्तन" के विषय पर अखिल भारतीय अभियान का शुभारम्भ कर रहा है जोकि दिसंबर, 2019 से दिसंबर, 2020 तक चलेगा।

इस परियोजना के तहत, हमारा लक्ष्य है महिलाओं को उन सामाजिक, धार्मिक और निजी स्तर पर सामाजिक रूढ़ियों के बंधन से मुक्त करने के साथ उन्हें भावनात्मक, नैतिक एवं आध्यात्मिक रूप से सशक्त करना है ।

उद्देश्य : 1. महिलाओं के प्रति होने वाली हिंसा को समाप्त करना
2. महिलाओं की सुरक्षा के लिए समाज में जागृति लाना
3. महिला शिक्षा को बढ़ावा देना
4. महिला स्वास्थ्य और कल्याण के लिए जागरूकता
5. सुखी परिवार एवं समाज के लिए मूल्य
6. ग्रामीण महिला सशक्तिकरण
7. महिलाओं में स्वयं का एवं आत्मसम्मान के विकास को प्रशस्त करना
8. चुनौतियों से निपटने के लिए साहस और आंतरिक शक्तियों के विकास के लिए आध्यात्मिक एवं राजयोग अभ्यास

अभियान की रूपरेखा - स्कूल, कॉलेज, गर्ल्स हॉस्टल, किटी पार्टीज, कॉलोनी, वृद्धाश्रम, महिला संगठन, कॉरपोरेट्स में कार्यक्रम
- ग्रामीण और शहरी भारत में प्रदर्शनियां
- सेमिनार और सम्मेलन
- सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम जैसे महिला स्वास्थ्य, सुरक्षा जागरूकता / महिला शांति मार्च / अंतर-धार्मिक अभियान / बेटी बचाओ अभियान
- महिलाओं के विभिन्न आयु समूहों के लिए व्यक्तित्व संवर्धन प्रतियोगिता
- महिलाओं के लिए राजयोग मेडिटेशन शिविर

आधुनिकता एवं आध्यात्मिकता वार्ता

(पृष्ठ.... 2 का शेष)

गया है कहते हैं वह पीता है तो मैं क्यों नहीं पीऊँ। इसका मतलब यह नहीं कि वह कांटा है तो मैं भी कांटा बन जाऊं, यह जो सोच है समानता की, यह जैसे हाथी और चींटी को समानता का खाना दिया जाए तो या तो चींटी मर जाएगी या फिर हाथी। यही बात है आधुनिकता में । यहां हम डिसिप्लिन की बातें भूल गए हैं और शारीरिक व मानसिक तौर पर हम समानता की बातें सोच रहे है। इस कारण से आंतरिक विकास रह गया और बाहर की ओर हम दौड़ते चले जा रहे हैं।

कमशः

सम्पादिका : ब्र.कु. चक्रधारी, शक्तिनगर, दिल्ली
सह-सम्पादिका : ब्र.कु.डॉ. सविता, शान्तिवन
सम्पादकीय पत्र-व्यवहार : डॉ. सविता शान्तिवन,(आबू रोड)
प्रकाशक व मुद्रक ब्र.कु. आत्मप्रकाश,
ओमशान्ति प्रिंटिंग प्रेस, शान्तिवन (आबू रोड) – 307510

राष्ट्रीय कार्यालय :19/17, शक्तिनगर, दिल्ली-110007

प्रति,